



कविता | फरीदाबाद

जिले में शुक्रवार को कोविड-19 को लेकर स्वास्थ्य विभाग की अंतरिक्त मुख्य सचिव डा. जी अनुपमा ने बीसी के जरिए कोरोना की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य

सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अलर्ट रखने के निर्देश दिये थे। शुक्रवार को 53 कोरोना पॉजिटिव आंसे से एक हफ्ते में 222 पॉजिटिव का अंकड़ा पार हो गया। जिसे देखते हुए मामले की पड़ताल करने पर पता चला कि

कोविड को लेकर बचाव के कागजी वादे, हकीकत से दूर

कोविड-19 अस्पताल में 17 माह बाद भी स्टाफ की नहीं हुई भर्ती

वर्ष 2021 में बने 88 अस्पतालों में से कोविड के वर्ष 2023 में केवल जिले में 78 कोविड केंद्र हास्पताल शेष हैं। वर्ष 2021 में बीके अस्पताल में बने कोविड रोगियों के विशेष अस्पताल में अभी तक आवश्यक स्टाफ ही भर्ती नहीं हुआ है।

96 बिस्तरों का अस्पताल: जिले में कोरोना के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। वहीं बीके अस्पताल परिसर

में सीएसआर फंड से बने 96 बिस्तरों वाले कोविड-19 अस्पताल में अभी तक स्टाफ की भर्ती नहीं हुई है। यहां डॉक्टर और पैरेमेडिकल स्टाफ ही नहीं हैं। जिसके कारण वैंटिलेटर सहित बना यह अस्पताल केवल पॉजिटिव आंसे वाले कैंटी मरींगों को भर्ती करने तक ही सीमित रह गया है। जिन्हें उपचार व दवाईयों के चिकित्सकों और मेडिकल वार्ड के ही देनी होती है। अस्पताल में भी 55 चिकित्सकों में से 45 ही तैनात हैं और नर्सिंग ऑफिसर के 90 पदों पर केवल 39 नर्सिंग ऑफिसर (नर्स) मौजूद हैं।

स्टाफ की कमी: जिले के बीके सिविल अस्पताल में 39 वैंटिलेटर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले नहीं हैं। जिसके कारण यह वैंटिलेटर धूल फांक रहे हैं। यहां वैंटिलेटर रूम और कोविड-19 अस्पताल को चलाने के लिए 187 स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकता है। लेकिन फिलालै बीके अस्पताल के चिकित्सक और स्टाफ की ही यहां सेवाएं दे रहे हैं।

सूत्रों की माने तो कोविड-19 अस्पताल और वैंटिलेटरों को चलाने के लिए 20 जनरल मेडिकल ऑफिसर, 10 विशेषज्ञ चिकित्सक, 40 नर्सिंग ऑफिसर,

आठ फार्मार्सिस्ट और रेडियोग्राफर, 16 तक नर्सों अधिकारी, चार ईसीजी तकनीशियन, 36 जनरल ड्रॉटी सहायक और हाउसकीपिंग का स्टाफ चाहिए। जिसे देखते हुए पत्र लिखा गया था। लेकिन वर्ष 2021 में डायटीशियन के अलावा एक गैस प्लाट और संचालक, दो फिजियोथेरेपिस्ट व एक इलेक्ट्रोशियन, एक प्लंबर व पांच सुरक्षकमी सहित सहायक स्टाफ का तैनात किया गया था। लेकिन कोविड-19 अस्पताल बनने के 17 महीने बाद भी किसी कर्मचारी की नियुक्ति नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

ब्राह्मण समा ने शहीद मंगल पाण्डे को याद किया



शहीद मंगल पाण्डे के बलिदान दिवस पर उनके चित्र पर नमन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र बबली, अनशनकारी बाबा रामकेवल व अन्य।

फरीदाबाद | सेक्टर-12 में अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा ने शहीद मंगल पाण्डे के बलिदान दिवस पर उनके चित्र पर नमन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेन्द्र शर्मा बबली ने तात्काल शहीद मंगल पाण्डे के सच्चे सपूत्र निर्मला थी। उन्होंने अंग्रेजी सेना में जो कारबूल थे। उनके ऊपर गाय की चौपी को लगाया गया था। जब इस बात का इहें पता चला तो इहोंने इसका उटाकर विरोध किया। देखते-देखते ये आनदेलन विकाराल रूप धरणा कर गया। अंग्रेजी हुक्मात के खिलाफ आजादी की चिंगारी बन गया। इस बात से नाराज होकर अंग्रेजों ने उनकी हत्या कर दी। 1857 की आजाद क्रांति के प्रथम शहीद योद्धा थे। आज हम इन शहीदों की महबूबी खाली हड्डी पर राजीव गांधी और रामातार, विट्टू, भौलू, सातिल, अनुराग, राजेश, रामजीलाल, रोहित, ब्रवान, संजय, राज संवित अन्य उमस्थित हो।

त्यवसायी के लॉकर से 1.7 करोड़ के जेवरत बरामद, लॉकर सीज
फरीदाबाद | सेक्टर-12 में अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जारी चित्र पर नमन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने तात्काल शहीद मंगल पाण्डे के सच्चे सपूत्र निर्मला थी। उन्होंने अंग्रेजी सेना में जो कारबूल थे। उनके ऊपर गाय की चौपी को लगाया गया था। जब इस बात का इहें पता चला तो इहोंने इसका उटाकर विरोध किया। देखते-देखते ये आनदेलन विकाराल रूप धरणा कर गया। अंग्रेजी हुक्मात के खिलाफ आजादी की चिंगारी बन गया। इस बात से नाराज होकर अंग्रेजों ने उनकी हत्या कर दी। 1857 की आजाद क्रांति के प्रथम शहीद योद्धा थे। आज हम इन शहीदों की महबूबी खाली हड्डी पर राजीव गांधी और रामातार, विट्टू, भौलू, सातिल, अनुराग, राजेश, रामजीलाल, रोहित, ब्रवान, संजय, राज संवित अन्य उमस्थित हो।

त्यवसायी के लॉकर से 1.7 करोड़ के जेवरत बरामद, लॉकर सीज

फरीदाबाद | सेक्टर-12 में अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जारी चित्र पर नमन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने तात्काल शहीद मंगल पाण्डे के सच्चे सपूत्र निर्मला थी। उन्होंने अंग्रेजी सेना में जो कारबूल थे। उनके ऊपर गाय की चौपी को लगाया गया था। जब इस बात का इहें पता चला तो इहोंने इसका उटाकर विरोध किया। देखते-देखते ये आनदेलन विकाराल रूप धरणा कर गया। अंग्रेजी हुक्मात के खिलाफ आजादी की चिंगारी बन गया। इस बात से नाराज होकर अंग्रेजों ने उनकी हत्या कर दी। 1857 की आजाद क्रांति के प्रथम शहीद योद्धा थे। आज हम इन शहीदों की महबूबी खाली हड्डी पर राजीव गांधी और रामातार, विट्टू, भौलू, सातिल, अनुराग, राजेश, रामजीलाल, रोहित, ब्रवान, संजय, राज संवित अन्य उमस्थित हो।

त्यवसायी के लॉकर से 1.7 करोड़ के जेवरत बरामद, लॉकर सीज

फरीदाबाद | सेक्टर-12 में अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जारी चित्र पर नमन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने तात्काल शहीद मंगल पाण्डे के सच्चे सपूत्र निर्मला थी। उन्होंने अंग्रेजी सेना में जो कारबूल थे। उनके ऊपर गाय की चौपी को लगाया गया था। जब इस बात का इहें पता चला तो इहोंने इसका उटाकर विरोध किया। देखते-देखते ये आनदेलन विकाराल रूप धरणा कर गया। अंग्रेजी हुक्मात के खिलाफ आजादी की चिंगारी बन गया। इस बात से नाराज होकर अंग्रेजों ने उनकी हत्या कर दी। 1857 की आजाद क्रांति के प्रथम शहीद योद्धा थे। आज हम इन शहीदों की महबूबी खाली हड्डी पर राजीव गांधी और रामातार, विट्टू, भौलू, सातिल, अनुराग, राजेश, रामजीलाल, रोहित, ब्रवान, संजय, राज संवित अन्य उमस्थित हो।

त्यवसायी के लॉकर से 1.7 करोड़ के जेवरत बरामद, लॉकर सीज

फरीदाबाद | सेक्टर-12 में अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जारी चित्र पर नमन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने तात्काल शहीद मंगल पाण्डे के सच्चे सपूत्र निर्मला थी। उन्होंने अंग्रेजी सेना में जो कारबूल थे। उनके ऊपर गाय की चौपी को लगाया गया था। जब इस बात का इहें पता चला तो इहोंने इसका उटाकर विरोध किया। देखते-देखते ये आनदेलन विकाराल रूप धरणा कर गया। अंग्रेजी हुक्मात के खिलाफ आजादी की चिंगारी बन गया। इस बात से नाराज होकर अंग्रेजों ने उनकी हत्या कर दी। 1857 की आजाद क्रांति के प्रथम शहीद योद्धा थे। आज हम इन शहीदों की महबूबी खाली हड्डी पर राजीव गांधी और रामातार, विट्टू, भौलू, सातिल, अनुराग, राजेश, रामजीलाल, रोहित, ब्रवान, संजय, राज संवित अन्य उमस्थित हो।

त्यवसायी के लॉकर से 1.7 करोड़ के जेवरत बरामद, लॉकर सीज

फरीदाबाद | सेक्टर-12 में अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जारी चित्र पर नमन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने तात्काल शहीद मंगल पाण्डे के सच्चे सपूत्र निर्मला थी। उन्होंने अंग्रेजी सेना में जो कारबूल थे। उनके ऊपर गाय की चौपी को लगाया गया था। जब इस बात का इहें पता चला तो इहोंने इसका उटाकर विरोध किया। देखते-देखते ये आनदेलन विकाराल रूप धरणा कर गया। अंग्रेजी हुक्मात के खिलाफ आजादी की चिंगारी बन गया। इस बात से नाराज होकर अंग्रेजों ने उनकी हत्या कर दी। 1857 की आजाद क्रांति के प्रथम शहीद योद्धा थे। आज हम इन शहीदों की महबूबी खाली हड्डी पर राजीव गांधी और रामातार, विट्टू, भौलू, सातिल, अनुराग, राजेश, रामजीलाल, रोहित, ब्रवान, संजय, राज संवित अन्य उमस्थित हो।

त्यवसायी के लॉकर से 1.7 करोड़ के जेवरत बरामद, लॉकर सीज

फरीदाबाद | सेक्टर-12 में अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जारी चित्र पर नमन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने तात्काल शहीद मंगल पाण्डे के सच्चे सपूत्र निर्मला थी। उन्होंने अंग्रेजी सेना में जो कारबूल थे। उनके ऊपर गाय की चौपी को लगाया गया था। जब इस बात का इहें पता चला तो इहोंने इसका उटाकर विरोध किया। देखते-देखते ये आनदेलन विकाराल रूप धरणा कर गया। अंग्रेजी हुक्मात के खिलाफ आजादी की चिंगारी बन गया। इस बात से नाराज होकर अंग्रेजों ने उनकी हत्या कर दी। 1857 की आजाद क्रांति के प्रथ

हम रहेंगे चर्चा में

प्र शासनिक सेवा में पदार्पण किए गए भगवान एक दशक का लंबा समय जुरु गया लेकिन महिला आईएस का स्वभाव है कि आज तक नहीं बदला। तैनाती चाहे जहाँ रही हो वह महिला आईएस अपने कारनामों से चर्चा में आ ही जाती है। एक जमाने में प्रदेश की औद्योगिक राजधानी का हिस्सा रहे और वर्तमान में स्वतंत्र अस्तित्व वाले जनपद की बागडोर संभाल रहीं यह महिला आईएस एक बार फिर चारों में हैं। दरअसल इस बार उन्होंने अपने बेटे के जन्म दिन पर छोड़े चित्रों को लेकर विवाद छिड़ गया है। बताया जा रहा है कि बर्थडे का थीम 'ब्रह्मस्त्र' कि तरफ पर आधारित था और केक पर श्रिष्णु ब्रह्मा था।

काटे गए इस केक का फोटो कई दिनों से वायरल है। इसे संस्कृत का अमान बताते हुए हिंदू संगठनों ने अपनी जटाई है और लिखा पढ़ी में डीएम सरिवा की शिकायत भी की है। हालांकि डीएम साहिबा ने सफाई देते हुए इसे थीम बेस फिल्म का चित्र बताते हुए माफी भी मांग ली है। मामला शांत हो जाता मगर इस बीच नये चेंच वर्ष फ़र्स्ट गया है कि एक हिंदू बंगन के तेज़ ने डीएम पर उन्हें अपने आवास पर बधक बंगन एवं रखने और मोबाइल फोन छीन लेने का आरोप लगा दिया। बताते हुए कि इन्हें नेता ने केक का फोटो कई रूप में वायरल कर इसे संस्कृत का अमान बताया था। डीएम का कहना है कि मेरे बेटे के बर्थडे के फोटो वायरल कर मेरी निजात का हनन किया गया है। केक पर लगी फोटो एक सुपर

डबल खुशी

हो ली में नगर निगम द्वारा भुगतान न करने पर ठेकेदारों ने जोरदार प्रदर्शन किया था। जिसके बाद आनन्दन में नगर निगम प्रशासन ने दो लाख रुपए का भुगतान प्रत्येक ठेकेदार को करने का निर्देश दिया था। पिर क्या था। बड़े नटरालाल बाबुओं ने बड़े साहब को जोरदार झटका दिया। नगर निगम पर 300 करोड़ की देनदारी के बाद भी कई ठेकेदारों को 2-2 लाख रुपए का भुगतान कर डाला। जिन ठेकेदारों को यह डबल खुशी नहीं मिली तो उन्होंने खेल खेल दी। जब मामला खुला तो नगर निगम के धनकुबेर को कड़ी फटकार लगायी गयी। इस ज्ञाल को छुपाने की कोशिश की गयी लेकिन यह गलती नहीं थी बल्कि सुविधा शुक्र के अधिक बदरों को होड़ में जानवरकर की गयी हरकत थी। इनमें एक दो नहीं बिल्कुल 30 ठेकेदारों को डबल डबल भुगतान कर दिया गया। हालांकि जांच बैठा कर दोषियों पर कार्रवाई करने की बात बड़े साहब ने कही है लेकिन यह तो नगर निगम का सोशलिम्ब है, जहाँ सबका बराबर का मान दिया जाता है। वहाँ कुछ पापदों ने चुटकी लेते हुए कहा कि होली की गुलामी में ज्यादा चीजों ने डालने पर फ़ूंट दो तो उन्हें थी थी। फिर उन्होंने यह मामला बाहर आते ही नगर निगम प्रशासन ने दोषियों पर कार्रवाई करने की प्रक्रिया तेज़ कर दी है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

हीरो की है जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शात

